कान के पीछे लगने वाले श्रवणयंत्र की सरल समस्याओं का सामाधान

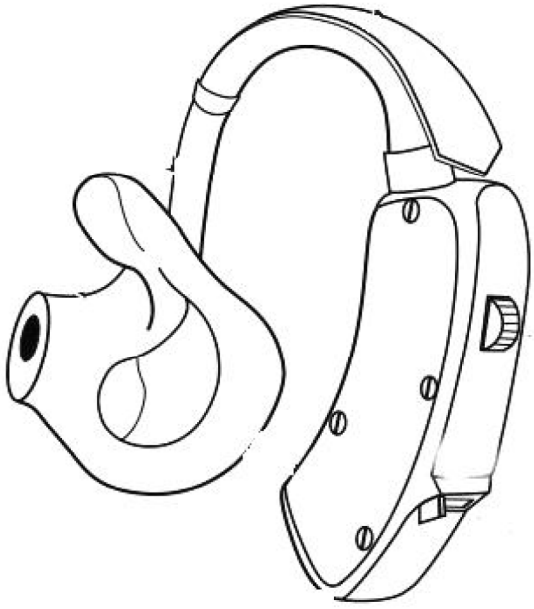

अखिल भारतीय वाक्–श्रवण संस्थान
श्रवण विज्ञान विभाग
मानसगंगोत्री
मैसूर - 570006

कान के पीछे लगने वाले श्रवणयंत्र की सरल समस्याओं का सामाधान

जब आप रोज़ श्रवणयंत्र का उपयोग कर रहे हो, तो आपको कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं, जैसे श्रवणयंत्र से कम आवाज़ का आना या आवाज़ ही न निकलना, या श्रवणयंत्र से घरघराती हुई आवाज़ें आना आदि । इनमें से कुछ परेशानियों की जाँच आप खुद ही कर सकते हैं ।

इस पुस्तिका में कान के पीछे लगाए जाने वाले श्रवणयंत्र में होने वाले सामान्य दोष, उसके आम कारण और समाधान के बारे में बताया गया है ।

दोष	कारण	समाधान
आवाज नहीं आना	श्रवणयंत्र 'T' या 'O' पर सेट होना ।	उसे 'M' पर सेट करें ।
	बैटरी का कमजोर होना ।	बैटरी को बदल लें ।
	बैटरी गलत तरीके से लगाना ।	बैटरी के +ve और –ve कोनों को बदलें ।
	बैटरी का रिसना ।	बैटरी को बदलें ।
	बैटरियों और श्रवणयंत्र का संपर्क टुटना ।	मरम्मत के लिए भेजें ।
	ट्यूब जो श्रवणयंत्र को कर्णसाँचे से जोड़ती है, उसमें बल पड़ना ।	ट्यूब को बदलें ।
	कान की खूँट या मैल के कारण कर्णसाँचे में अवरोध होना ।	कर्णसाँचों को गुनगुने पानी और साबुन या शैंपू में धोकर साफ़ करें ।
	स्विच टूट जाना ।	मरम्मत के लिए भेजें ।
रुक – रुक कर आवाज़ निकलना	स्विच में परेशानी ।	मरम्मत के लिए भेजें ।
	बैटरी के सम्पर्क में परेशानी ।	यह जाँचें कि सही नाप की बैटरी है या नहीं ।

		मरम्मत के लिए भेजें यदि बैटरी का नाप भी सही है पर बैटरी का संपर्क ढ़ीला है ।
धीमी आवाज़ निकलना	बैटरी कमज़ोर होना ।	बैटरी बदलें ।
	कर्णसाचें में आंथिक रूप में रूकावट आना ।	कर्णसाँचों को धोकर साफ़ करें ।
	वोल्यूम का बटन बंद होना ।	वोल्यूम का स्विच निर्धारित संख्या पर सेट कर रखें ।
	टूटे हुए स्विच / इलेक्ट्रानिकी समस्या ।	मरम्मत के लिए भेज़ें ।
विकृत आवाज़	माईक्रोफोन में धूल लग जाना / गंदा होना ।	माईक्रोफोन को सूखे वनरम कपड़े से पोछकर साफ़ करें ।
	स्विच टूट जाना/ढ़ीला पड़ना ।	मरम्मत के लिए भेजें ।
	बैटरी कमज़ोर होना ।	बैटरी बदल लें ।
	श्रवणयंत्र को हिलाने से खड़–खड़ाहट की आवाज़ निकलना ।	मरम्मत के लिए भेजें ।
श्रवणयंत्र से आवाज़ बाहर निकलना	वॉल्यूम का स्तर अत्यधिक होना ।	वॉल्यूम स्तर सही संख्या पर सेट करें ।
	ट्यूब मे छेद होना ।	ट्यूब बदल लें ।
	कर्णसाँचे का सही ढ़ंग से नहीं लगना ।	कर्णसाँचे को बदलें ।
	कर्णसाँचा सही स्थान पर ना होना ।	कर्णसाँचे को कान की नली में सही प्रकार से लगाएं ।
श्रवणयंत्र के कारण कान में परेशानी होना	ट्यूब की लंबाई की कमी ।	ट्यूब बदल लें ।
	कर्णसाँचे का खुरदरा होना ।	इयरमोल्ड तकनीशियन से मिलें और कर्णसाँचे को पालिश करवाऐं ।

श्रवणयंत्र का टेलीफोन के साथ काम न करना	श्रवणयंत्र का स्विच 'T' स्थिति पर न होना ।	स्विच को 'T' स्थिति पर सेट करें ।
	श्रवणयंत्र में 'T' स्थिति का न होना ।	टेलीफोन को श्रवणयंत्र के ऊपर ऐसा रखें कि वह उसके नजदीक हो लेकिन सम्पर्क में न हो ।
	वॉल्यूम का बटन निम्न स्तर पर न हो ।	वॉल्यूम का स्तर बढ़ाए।

यदि ऊपर दिए हुए निर्देश काम में नहीं आते हैं तो अतिरिक्त समाधान के लिये अपने ऑडियोलॉजिस्ट से मिलें ।

कर्णसाँचे को सही प्रकार से लगाने के लिए: –

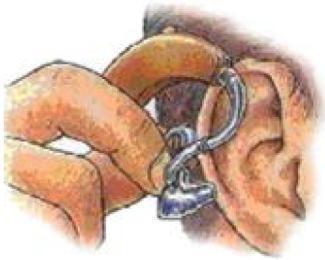

कर्णसाचे के सिरे को कर्ण नली में डालें ।

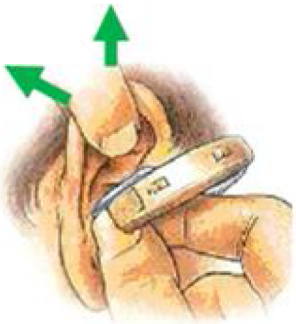

कान के बाहरी भाग को ऊपर और पीछे की ओर खींचे ।

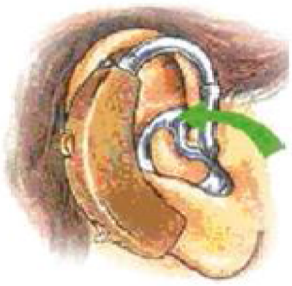

कर्णसाँचे को धीरे – धीरे घुमाएं ताकि वह कान में चुस्त बैठ जाए ।

हमारा पता:
अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान
मानसगंगोत्री, मैसूर 570 006

दूरभाष: (0821) 2514449 / 2515805 / 2515410
फैक्स : 0821 – 2510515
ईमेल: director@aiishmysore.in;
वेबसाइट: www.aiishmysore.in

कार्य समय: प्रात: 9.00 बजे से सायं 5.30 बजे तक
सोमवार से शुक्रवार, केंद्रीय सरकारी छुट्टी दिनों को छोड़कर